(c) ihe nature of business deals entered into or negotiated?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. A. SANGMA): (a) to (c) An 8 member Chinese delegation led by their Minisler for Metallurgical Industry visited India from Sth August. 1985 to 17th August. 1985. The purpose of the visit of the delegation was to visit various iron ore, chrome ore and Mangnes$_e$ ore mines loading ports and steel mill$_s$ for exploring rne possibilities of import of these mineraK During meetings with the delegation it was emphasised that China should enter into long term aggrangements for imort ot various minerals like iron ore, chrome ore etc. from India to ensure balanced growth of bilateral trade. Though no specific business was finalised during the visit of the delegation, the visit should go a long way in boosting India-China trade in minerals in the years to come.

Sixth open-house discussion with trade representatives

2360. SHRI DHULESHWAR MEENA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to si a ie:

(a) whether he met representatives of trade, industry. Export Promotion Councils and other agencies at the Sixth Opeii-house discussion held on the 10th August. 1485;

(b) if so, what is the outcome of these discussions; and

(c) the follow-up action; if any taker-or proposed to be taken thereon'.'

THE MINISTER OF STATE IN THF MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. A. SANGMA): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Decisions on some of the problems highlighted by the trade and industry were announced.

2361. *[Transferred to the 22nd Au* 1985.1

अनिवासी भारतीयों द्वारा भारतीय कम्पनियों के शेयरों का खरीदा जाना

2362. श्री शंकर सिंह वाघेला :
श्री अश्विनी कुमार :
श्री कैलाश पति मिश्र :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ अनिवासी भारतीय विशेषकर सिंगापुर, थाईलैण्ड, इंग्लैण्ड, कनाडा व खाड़ी के देशों के 'नौ के गुट' ने कई भारतीय कंपनियों में अपने पांव जमा लिये हैं और और यह विशेष गुट कम से कम छः कम्पनियों में 10 प्रतिशत से अधिक शेयर खरीदने में सफल हो गया है, यदि हां, तो इस 'नौ के गुट' के सदस्यों तथा उन छः कम्पनियों के नाम क्या है जिनके उस गुट द्वारा भारी मात्रा में शेयर खरीद लिये गये हैं और उनमें से प्रत्येक ने ऐसी कम्पनी के कितने प्रतिशत शेयर खरीदे है ; और

(ख) क्या गलधारी बैंकों ने भी इन कम्पनियों के शेयर खरीदे हैं ; यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) और (ख) भारतीय रिजर्व बैंक और भारत सरकार को 'नौ के गुट' के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इस प्रश्न में उल्लिखित छः कम्पनियां कौन सी है, इसके संबंध में भी कोई जानकारी नहीं है। अपेक्षित सूचना एकत्र की जा रही है।

Memoranda alleging bank fraud by progressive company of Hyderabad

2363. DR. SHANTI G. PATEL; Will Ihe Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether memoranda signed by Members of Parliament belonging lo various parties have been submitted to the Prime Minister and Finance Minister, alleging bank fraud and grave irregularities against progressive Company of Hyderabad and its associate companies; and

(b) if so, what action has been taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) and (b) Government have received a letter dated May, 20, 1985 signed by some Members of Parliament regarding M|s Progressive Construction Pvt. Ltd. and its associate Companies. The matter is being looked into by the Reserve Bank of India.

लक्ष्मी कमर्शियल बैंक की परिसंपत्तियां

2364. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव :**
श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने लक्ष्मी कमर्शियल बैंक का प्रबन्ध ग्रहण कर लिया हैं ; यदि हां, तो उनके क्या कारण है ;

(ख) उस बैंक की कुल कितनी शाखायें थीं ; और

(ग) प्रबन्ध ग्रहण के समय बैंक की कुल कितनी परिसम्पत्ति थी ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) सरकार ने लक्ष्मी कमर्शियल बैंक लि०, नई दिल्ली का अधिग्रहण नहीं किया है । अलबत्ता, इस बैंक को केनरा बैंक के साथ मिलाए जाने का निर्णय लिया गया है।

(ख) दिनांक 28 फरवरी, 1985 को लक्ष्मी कमर्शियल बैंक लि० की 223 शाखाएं थीं ।

(ग) चूंकि बैंक का अधिग्रहण नहीं किया गया है, अतः यह सवाल पैदा ही नहीं होता ।

लक्ष्मी कमर्शियल बैंक के अध्यक्ष की बैंक आफ बड़ौदा के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति

2365. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव :**
श्री बी० सत्य नारायण रेड्डी :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि लक्ष्मी कमर्शियल बैंक के अध्यक्ष को बैंक आफ बड़ौदा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है; यदि हां, तो लक्ष्मी कमर्शियल बैंक में करोड़ों रुपयों का घोटाला होने के पश्चात् उन्हें पदोन्नत किये जाने के क्या कारण हैं; और

(ख) बैंक ऑफ बड़ौदा की कुल परिसम्पत्ति कितनी है, और इसकी शाखायें कितनी हैं तथा लक्ष्मी कमर्शियल बैंक की कुल कितनी परिसम्पत्ति थी और उसकी शाखायें कितनी थीं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) श्री प्रेमजीत सिंह उस समय सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक थे जब उन्हें उनके सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक के पद का लियन समाप्त किए बिना दिनांक 6 अगस्त, 1984 से लक्ष्मी कमर्शियल बैंक लि० का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्हें दिनांक 29 अप्रैल 1985 से बैंक ऑफ बड़ौदा का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया था ।

सरकार ने लक्ष्मी कमर्शियल बैंक लि० के नाम स्थगनादेश जारी किया है और सरकार/भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस बैंक को केनरा बैंक के साथ मिलाए जाने के प्रस्ताव पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा हैं । वित्तीय कुप्रबन्ध के आरोपों का मूल्यांकन वर्तमान प्रक्रिया के समाप्त होने के बाद ही किया जा सकता है ।

(ख) दिनांक 31 दिसम्बर, 1984 को बैंक आफ बड़ौदा की कुल परिसम्पत्तियां, उभयपक्षी मदों को छोड़कर 6051.40 करोड़ रुपए की थीं और दिनांक 28 फरवरी, 1985 को इसकी शाखाओं की संख्या 1811 थी । दिनांक